

टूर संदर्भ
LKF6GFKARQ

संस्कृति के बीच टहलें (8 दिन)

8 दिन · 7 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह आठ दिवसीय दौरा सांस्कृतिक त्रिभुज से दक्षिणी तट तक चलता है, जिसमें एक निजी चालक गाइड पूरे समय ड्राइव करता है। यह डाम्बुला और सिगिरिया में शुरू होता है, कांडी और नुवरा एलिया और एला के आसपास के केंद्रीय पहाड़ियों से होकर जाता है, मिन्नेरिया और उदवलवे के वन्यजीव पार्कों तक जारी रहता है, और गल्ले और हिक्कडुवा में तट के साथ समाप्त होने से पहले कोलंबो लौटता है।

यात्री आंतरिक भाग के मुख्य ऐतिहासिक स्थल देखते हैं - डाम्बुला में गुफा मंदिर, सिगिरिया में चट्टान का दुर्ग, कांडी में दांत का मंदिर - साथ ही नुवरा एलिया के चाय बागानों के पहाड़ी-देश के दृश्य और एला के पास की चलने की पगडंडियां। मिन्नेरिया और उदवलवे में दो सफारी, और हिरिवडुना में एक गांव का अनुभव ग्रामीण जीवन और वन्यजीवों के साथ संपर्क जोड़ता है, जबकि गल्ले और हिक्कडुवा में तट के पास के अंतिम दिन औपनिवेशिक वास्तुकला, एक नदी की नाव की यात्रा और एक कछुआ हैचरी लाते हैं।

यह यात्रा योजना एक निर्धारित-समूह दौरे के बजाय निजी रूप से चलाई जाती है, इसलिए पर्यटन एक निरंतर सड़क मार्ग के चारों ओर व्यवस्थित की जाती है न कि एक निर्धारित शेड्यूल के, और प्रत्येक दिन की यात्रा का क्रम और गति यहां दिए गए मार्ग का पालन करती है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 एयरपोर्ट → दांबुला

कोलंबो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचने पर एक चालक-गाइड यात्रियों से मिलता है और उन्हें दांबुला ले जाता है, जहां उसी शाम गुफा मंदिर की सैर कराई जाती है।



दांबुला गुफा मंदिर

दांबुला का यह स्वर्ण मंदिर पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है और इसमें भगवान गौतम बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले प्राचीन भित्तिचित्रों के साथ-साथ पांच मुख्य गुफाओं—दिव्य राजा की गुफा, महान राजा की गुफा और महान नव विहार—में सैकड़ों बुद्ध और देवी-देवताओं की मूर्तियां मौजूद हैं। गुफा परिसर से थोड़ी दूर एक विशाल स्वर्ण बुद्ध प्रतिमा स्थापित है।

Lankapic · CC BY 2.5



पिन्नावला हाथी अनाथालय

सबरागमुवा प्रांत में स्थित पिन्नावला हाथी अनाथालय, अपने प्राकृतिक निवास स्थान से विस्थापित या बिछड़े हुए युवा हाथियों का घर है, और वर्तमान में यहां लगभग 70 हाथी रहते हैं, जो इसे विश्व का सबसे बड़ा बंदी हाथी समूह बनाता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 2 दांबुला → सिगिरिया → मिनेरिया → दांबुला

यह पूरा दिन सिगिरिया के शैल दुर्ग, हिरिवडुना में गांव के अनुभव और मिनेरिया राष्ट्रीय उद्यान की सफारी को समर्पित है, जिसके बाद दांबुला लौटते हैं।



सिगिरिया शैल दुर्ग

5वीं शताब्दी ईस्वी का यह शैल दुर्ग राजा कश्यप की राजधानी था, जिसमें प्रवेश विशाल सिंह के पंजों से सजी सीढ़ियों से होता है, जिन्हीं से इस चट्टान को यह नाम मिला है। चढ़ाई के दौरान प्रसिद्ध भित्तिचित्र, सीढ़ीदार बगीचे, अब भी काम करने वाले जलाशय और सुरंगें मिलती हैं, जो शिखर पर स्थित महल के खंडहरों तक ले जाती हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0

हिरिवडुना ग्राम भ्रमण

हिरिवडुना एक ऐसा गांव है जो अपनी परंपरागत जीवनशैली को बनाए रखता है, जहां बैलगाड़ी और शांत झील के पार कैटामरान नाव से पहुंचा जाता है, साथ में धान के खेतों से होकर सैर और खाना पकाने का प्रदर्शन होता है, जिसके बाद कमल के पत्तों पर परोसा गया घर का बना भोजन परोसा जाता है।



मिनेरिया राष्ट्रीय उद्यान सफारी

मिनेरिया राष्ट्रीय उद्यान में जीप सफारी, जो मई से अक्टूबर के बीच होने वाले 150 से अधिक हाथियों के महान हाथी समागम के लिए प्रसिद्ध है, साथ ही इसके झाड़ीदार और वनीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले अन्य स्तनधारी, पक्षी, रेंगने वाले जीव और उभयचर भी देखे जा सकते हैं।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 3 दांबुला → कैंडी

कैंडी की ओर यात्रा मातले में एक मसाला बगीचे पर रुकती है, जिसके बाद कैंडी में शाम को हस्तशिल्प, मंदिर दर्शन और सांस्कृतिक नृत्य शो का आयोजन होता है।



मसाला बगीचा, मातले

श्रीलंका की मसाला राजधानी मातले के पास एक मसाला एवं औषधीय बगीचे का निर्देशित भ्रमण, जिसमें धनिया, मिर्च, दालचीनी, इलायची और जायफल जैसे मसालों की खेती और उनके उपयोगों—आयुर्वेद सहित—की जानकारी दी जाती है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

रत्न, काष्ठकला और बाटिक कार्यशालाएं

कैंडी में कार्यशालाओं का भ्रमण, जिसमें रत्न तराशने, काष्ठकला और बाटिक निर्माण जैसे परंपरागत हस्तशिल्प शामिल हैं।



दंत मंदिर (टेम्पल ऑफ द टूथ)

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल यह मंदिर 16वीं शताब्दी में बुद्ध के पवित्र दांत के अवशेष को संरक्षित रखने के लिए बनाया गया था। इसके लाल, क्रीम और काले रंग से सजे हॉल, नक्काशीदार स्तंभ और स्वर्ण प्रतिमाएं इसे द्वीप के सबसे पूजनीय स्थलों में से एक बनाती हैं।

A.Savin · FAL



कैंडीयन सांस्कृतिक शो

परंपरागत कैंडीयन नृत्य और संगीत का एक घंटे लंबा शो, जिसमें अग्नि नर्तक, तलवार नर्तक और ढोल वादक शामिल होते हैं।

Arian Zwegers · CC BY 2.0

दिन 4 कैंडी → नुवारा एलिया

यात्रा पेराडेनिया से रेलगाड़ी द्वारा पहाड़ी इलाकों की ओर आगे बढ़ती है, जिसके बाद नुवारा एलिया में शहर भ्रमण और चाय फैक्ट्री का दौरा होता है।

कैंडी से नुवारा एलिया रेल यात्रा

पेराडेनिया से नानू ओया तक चलने वाली यह रेलगाड़ी पहाड़ी ग्रामीण इलाकों से गुजरती है, जहां चाय बागान और धुंध से घिरे पहाड़ों की पृष्ठभूमि में बसे गांव दिखते हैं।



नुवारा एलिया शहर भ्रमण

नुवारा एलिया चाय उत्पादक क्षेत्र के हृदय में स्थित है और इसे ब्रिटिशों ने एक अंग्रेजी ग्रामीण कस्बे की शैली में बनाया था, जहां जॉर्जियाई से लेकर क्वीन ऐन शैली तक के घर, एक एंग्लिकन चर्च, एक गोल्फ कोर्स और सुव्यवस्थित उद्यान मिलते हैं, और यह ठंडे, ऊंचाई वाले वातावरण में स्थित है।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

मैकवुड्स चाय एस्टेट

मैकवुड्स चाय एस्टेट और फैक्ट्री का निर्देशित भ्रमण, जिसमें सीलोन चाय की किस्मों, प्रसंस्करण विधियों और गुणों की जानकारी दी जाती है—यह व्यापार 1824 में चीन से चाय लाए जाने के साथ शुरू हुआ और 1852 से जेम्स टेलर द्वारा व्यावसायिक रूप से विकसित किया गया।

दिन 5 नुवारा एलिया → एला → उडावलावे

मार्ग नुवारा एलिया से एक हिंदू मंदिर पर रुकते हुए एला की पैदल पगडंडियों की ओर बढ़ता है, इसके बाद उडावलावे की ओर आगे बढ़ता है।

सीता अम्मन कोविल

यह मंदिर सीता एलिया गांव में स्थित है, जो पौराणिक कथा के अनुसार रामायण से जुड़ा है—यहीं वह स्थान माना जाता है जहां राक्षस राजा रावण ने सीता को बंदी बनाकर रखा था; इस स्थल पर तीन प्राचीन मूर्तियां भी मिली थीं।

एला दर्शनीय स्थल भ्रमण

एला की सैर में चाय के खेत और चट्टानी पहाड़ियां शामिल हैं, जहां से लिटिल एडम्स पीक के दृश्य दिखते हैं, रास्ता नाइन आर्चेस ब्रिज से गुजरता है और डेमोडारा रेलवे स्टेशन पर समाप्त होता है, जो अपनी अनोखी लूप-ओवर पटरी के लिए जाना जाता है।

दिन 6 उडावलावे → गाले → हिक्काडुवा

सुबह उडावलावे राष्ट्रीय उद्यान की सफारी के बाद तटीय क्षेत्र की ओर यात्रा होती है, जिसमें पुराने शहर गाले पर पड़ाव शामिल है।



उडावलावे राष्ट्रीय उद्यान सफारी

1970 के दशक में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित उडावलावे राष्ट्रीय उद्यान में जीप सफारी, जिसमें दलदली भूमि, वन और घास के मैदान शामिल हैं, जो जल पक्षियों और श्रीलंकाई हाथियों के साथ-साथ अन्य स्तनधारियों, पक्षियों, रेंगने वाले जीवों, उभयचरों और तितलियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

AntanO · CC BY-SA 4.0

गाले पुराना औपनिवेशिक शहर

गाले एक समय पुर्तगालियों और डचों का मुख्यालय था, और इसका किला एशिया के सबसे अच्छी तरह संरक्षित किलों में से एक है। पुराने शहर में संग्रहालय, एक प्रकाश स्तंभ और डच नामों वाली पत्थर से बनी गलियां शामिल हैं।

दिन 7 हिक्काडुवा

समुद्र तट पर एक दिन आराम से बिताने का अवसर, साथ ही दोपहर में मादु नदी की नाव यात्रा और कछुआ प्रजनन केंद्र का दौरा।



मादु नदी नाव सफारी

मादु नदी के पारिस्थितिकी तंत्र से गुजरती यह नाव यात्रा मैंग्रोव नहरों से होकर जाती है, जहां धूप में बैठे मगरमच्छ और जल मॉनिटर दिखाई देते हैं, और यह दालचीनी की खेती करने वालों की बसाई एक छोटे द्वीप पर रुकती है, जहां इच्छानुसार मछली मसाज का अनुभव भी लिया जा सकता है, साथ ही जल पक्षियों को देखने का अवसर भी मिलता है।

SUPindia · CC BY-SA 4.0



कोसगोडा कछुआ प्रजनन केंद्र

दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित यह केंद्र किनारे पर अंडे देने आने वाली पांच संकटग्रस्त समुद्री कछुआ प्रजातियों के घोंसलों की सुरक्षा के लिए कार्य करता है, और कोसगोडा टर्टल केयर प्रोग्राम के माध्यम से नवजात कछुओं और घायल वयस्क कछुओं की देखभाल करता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 8 हिक्काडुवा → कोलंबो → एयरपोर्ट

अंतिम दिन कोलंबो की ओर यात्रा होती है, जहां शहर भ्रमण के बाद एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान की व्यवस्था की जाती है।



कोलंबो शहर भ्रमण

कोलंबो के भ्रमण में ओल्ड लाइटहाउस, ओल्ड पार्लियामेंट, गाले फेस होटल, गाले फेस ग्रीन, गंगारामा मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं, साथ ही इंडिपेंडेंस स्क्वायर और रेस कोर्स क्षेत्र के आसपास की दुकानें भी देखी जा सकती हैं।

Gihanud2001 · CC0

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, inclusive of all chauffeur accommodation.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Entry Visa Fees.
- International / Domestic Airfare.
- Any expenses of personal nature.
- Entrance fees/Train Tickets.
- Meals (Breakfast, Lunch & Dinner)
- Hotel Accommodation